CBSE Class 07 Hindi
NCERT Solutions
पाठ-07 पापा खो गए

1. नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन लगा और क्यों?

उत्तर:- हमें नाटक में सबसे बुद्धिमान पात्र कौए का लगा क्योंकि कौए ने ही लड़की के पापा को खोजने में महत्त्वपूर्ण एवं सक्रिय भूमिका का निर्वाह किया, उसी की योजना के कारण लेटर बाक्स संदेश लिख पाता है। वह उड़-उड़ कर अच्छे-बुरे की जानकारी रखता है। उसकी पहचान एवं सन्देह के कारण लड़की असामाजिक तत्वों के हाथों में जाने से बच जाती है।

2. पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई?

उत्तर:- एक बार जोर की आँधी आने के कारण खंभा पेड़ के ऊपर गिर जाता है उस समय पेड़ उसे सँभाल लेता है और इस प्रयास में वह ज़ख्मी भी हो जाता है। इस घटना से खंभें का मजबूत और ऊँचा होने का घमंड चूर-चूर हो जाता है और अंत में दोनों की दोस्ती हो जाती है।

3. लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?

उत्तर:- लैटरबक्स ऊपर से नीचे तक पूरे लाल रंग में रँगा हुआ था और बड़ों की तरह बुद्धिमानी से बात करता था।वह अपने खाली समय में उन सभी पत्रों को पढ़ डालता जो उसके भीतर होते थे।इसप्रकार हर विषय की जानकारी होने के कारण उसे लाल ताऊ कहते थे।

4. लाल ताऊ किस प्रकार बाकी पात्रों से भिन्न है?

उत्तर:- लाल ताऊ पढ़ा-लिखा, हँस-मुख और मिलनसार था। वह नीरस और उबाऊ वातावरण को भी अपनी मजेदार बातों से आनंदमय बना देता था। लाल ताऊ अपने अंदर पड़े पत्रों को बोरियत मिटाने के लिए पढ़ लेता था। वह किसी से डरता नहीं था। समाज की चिंताएँ भी उसे सताती रहती थी। इन्हीं सब कारणों से लाल ताऊ बाकी पात्रों से भिन्न है।निर्जीव होते हुए भी उसके विचार सशक्त और अकाट्य थे।

5. नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है। उसकी कौन-कौन सी बातें आपको मजेदार लगीं? लिखिए।

उत्तर:- नाटक में कौआ ही एक मात्र सजीव पात्र है जिसकी हमें निम्न बातें मजेदार लगी -

1. "वह दुष्ट कौन है? पहले उसे नज़र तो आने दीजिए।"
2. ताऊ एक जगह बैठकर यह कैसे जान सकोगे? उसके लिए तो मेरी तरह रोज चारों दिशाओं में गश्त लगानी पड़ेगी, तब जान पाओगे यह सब।"

6. क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?

उत्तर:- लड़की बहुत ही छोटी और नादान होने के कारण उन्हें अपने घर का पता बता नहीं पा रही थी और यहाँ तक कि वह अपने पापा का नाम भी नहीं बता पा रही थी। इसी कारण सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे।

7. मराठी से अनूदित इस नाटक का शीर्षक 'पापा खो गए' क्यों रखा गया होगा? अगर आपके मन में कोई दूसरा शीर्षक हो तो सुझाइए और साथ में कारण भी बताइए।

उत्तर:- लड़की को अपने पापा का नाम-पता कुछ भी मालूम नहीं था। कहानी के सभी पात्र मिलकर उसके पापा को खोजने की योजना बनाते हैं इसी कारण इस नाटक का नाम 'पापा खो गए' रखा गया होगा।

इसका अन्य शीर्षक 'लापता बच्ची' भी रखा जा सकता है क्योंकि इस नाटक में पूरे समय इसी बच्ची के घर का पता लगाने का प्रयास किया जाता है।

8. क्या आप बच्ची के पापा को खोजने का नाटक से अलग कोई और तरीका बता सकते हैं?

उत्तर:- हम बच्ची को उसके घर तक पहुँचाने के लिए पुलिस समाचार-पत्र, पोस्टर, टीवी और मीडिया की भी सहायता ले सकते हैं।

- **भाषा की बात**

9. आपने देखा होगा कि नाटक के बीच-बीच में कुछ निर्देश दिए गए हैं। ऐसे निर्देशों से नाटक के दृश्य स्पष्ट होते हैं, जिन्हें नाटक खेलते हुए मंच पर दिखाया जाता है,

जैसे - 'सड़क / रात का समय...दूर कहीं कुत्तों के भौंकने की आवाज।' यदि आपको रात का दृश्य मंच पर दिखाना हो तो क्या-क्या करेंगे, सोचकर लिखिए।

उत्तर:- रात के दृश्य को मंच पर दिखाने के लिए हम निम्न बातें कर सकते हैं - घुप्प अँधेरा, चाँद तारों की रोशनी, दूर कुत्तों के भौकनें की आवाज़ें, बिल्ली के रोने की आवाज, नेपथ्य में चौकीदार की जागते रहो की आवाज, हवा की साँय-साँय की आवाज आदि।

10. पाठ को पढ़ते हुए आपका ध्यान कई तरह के विराम चिहन की ओर गया होगा।

अगले पृष्ठ पर दिए गए अंश से विराम चिह्नों को हटा दिया गया है।

ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उपयुक्त चिहन लगाइए -

मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी अरे बाप रे वो बिजली थी या आफ़त याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी वहाँ खड्डा कितना गहरा पड़ गया था खंभे महाराज अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है, अंग थरथर काँपने लगते हैं

उत्तर:- मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी। अरे, बाप रे ! वो बिजली थी या आफ़त ! याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी वहाँ खड्डा कितना गहरा पड़ गया था, खंभे महाराज ! अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है। अंग थरथर काँपने लगते हैं।

11. आसपास की निर्जीव चीजों को ध्यान में रखकर कुछ संवाद लिखिए, जैसे -

• चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद

• कलम का कॉपी से संवाद

• खिड़की का दरवाजे से संवाद

उत्तर:- • चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद -

चॉक - अरे ब्लैक बोर्ड, मैं तो लिखते-लिखते घिस जाती हूँ।

ब्लैक बोर्ड - हाँ, वैसे तो तुम सही कह रही हो। परन्तु लिखते-लिखते मेरी चमक भी तो फीकी पड़ जाती है।

चॉक - लेकिन, कुछ भी कहो ब्लैक बोर्ड जब हम दोनों के उपयोग से बच्चे कुछ नया सीखते हैं, तो बड़ा आनंद आता है।

ब्लैक बोर्ड - हाँ, यह तो तुमने सौ प्रतिशत सच कहा।

• कलम का कॉपी से संवाद -

कलम - कॉपी, 'देखा मेरा नया रंग-रूप।'

कॉपी - हाँ, भाई हाँ,

कलम - वैसे, तुम भी सुंदर नज़र आ रही हो।

कॉपी - हाँ, ये नई छपाई का कमाल है।

• खिड़की का दरवाजे से संवाद -

खिड़की - दरवाजे भैया, क्या बात है आज तो आपको बात करने की फुर्सत नहीं है।

दरवाजा - क्या बताऊँ, सुबह से ये रंग-रोगन वालों ने परेशान कर रखा है।

खिड़की - अरे भाई, ऐसा क्यों बोल रहे हो? इससे आप चमक उठोगे।

दरवाजा - हाँ, यह तो तुमने ठीक ही कहा।